यीशु ने कहा:

“यदि तुम मुझसे प्रेम करते हो, तो मेरी आज्ञाओं का पालन
करो।”
— योहन 14:15 (ESV)

कई विश्वासियों का मानना है कि मसीह से प्रेम केवल उनकी आज्ञाओं का पालन करना ही है। लेकिन यह पूरी सच्चाई नहीं है। यदि इतना ही पर्याप्त होता, तो यीशु पेत्रुस से एक अतिरिक्त प्रश्न नहीं पूछते—एक ऐसा प्रश्न जो प्रेम का एक गहरा आयाम उजागर करता है।

आइए पढ़ें:

योहन 21:15-17 (ESV)

“जब उन्होंने नाश्ता कर लिया, यीशु ने साइमोन पेत्रुस से
कहा, ‘साइमोन, योहन के पुत्र, क्या तुम मुझसे इनसे अधिक प्रेम करते हो?’ उसने कहा, ‘हाँ, प्रभु, आप जानते हैं कि मैं आपसे प्रेम करता हूँ।’ यीशु ने उससे कहा, ‘मेरे मेमनों को चराओ।’

उसने फिर से कहा, ‘साइमोन, योहन के पुत्र, क्या तुम मुझसे प्रेम करते हो?’ उसने कहा, ‘हाँ, प्रभु, आप जानते हैं कि मैं आपसे प्रेम करता हूँ।’ यीशु ने कहा, ‘मेरी भेड़ों की देखभाल करो।’
तीसरी बार उसने कहा, ‘साइमोन, योहन के पुत्र, क्या तुम मुझसे प्रेम करते हो?’ पेत्रुस दुखी हुआ कि तीसरी बार यह प्रश्न
पूछा गया, और उसने कहा, ‘प्रभु, आप सब कुछ जानते हैं; आप जानते हैं कि मैं आपसे प्रेम करता हूँ।’ यीशु ने कहा, ‘मेरी भेड़ों
को चराओ।’”

इस संदर्भ से हम सीखते हैं कि मसीह से प्रेम केवल आज्ञा पालन नहीं है—इसमें उनके लोगों के लिए गहरी, सक्रिय चिंता भी शामिल है। यीशु ने पेत्रुस को तीन जिम्मेदारियाँ दीं, जो प्रेम की पूरी अभिव्यक्ति हैं:

मेरे मेमनों को चराओ

मेरी भेड़ों की देखभाल करो

मेरी भेड़ों को चराओ

ये केवल काव्यात्मक शब्द नहीं हैं। यह हर विश्वासयोग्य, खासकर उन लोगों के लिए एक व्यावहारिक और आध्यात्मिक कर्तव्य है जो

यीशु से प्रेम करने का दावा करते हैं।

1. उनकी आज्ञाओं का पालन करना
ईश्वर की आज्ञाओं का पालन करना मतलब उन्हें समझना, उनसे प्रेम करना और उनके अनुसार जीवन जीना है—सिर्फ उन्हें दोहराना नहीं। जो लोग सच्चाई में ईश्वर से प्रेम करते हैं, उनके लिए आज्ञाएँ बोझ नहीं हैं।

“क्योंकि परमेश्वर का प्रेम यह है कि हम उसकी आज्ञाओं का
पालन करें। और उसकी आज्ञाएँ बोझिल नहीं हैं।”
— 1 यूहन्ना 5:3 (ESV)

क्यों नहीं? क्योंकि पवित्र आत्मा हमारे भीतर रहते हैं और पालन करने की शक्ति देते हैं। मसीह का जुआ हल्का और सरल है (मत्ती 11:28–30)। हम अब कानून के बंधन में नहीं हैं, बल्कि कृपा की स्वतंत्रता में हैं जो हृदय से आज्ञापालन करने में सक्षम बनाती है।

पुराने नियम में मूसा ने यह सिद्धांत व्यक्त किया:

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

“यदि तुम यहोवा अपने परमेश्वर की आवाज़ सुनोगे, उसकी
आज्ञाओं और इस विधि की पुस्तक में लिखे उपदेशों का पालन करोगे… तो तुम अपने सम्पूर्ण हृदय और सम्पूर्ण आत्मा से यहोवा अपने परमेश्वर की ओर लौटोगे। क्योंकि आज जो आज्ञा मैं तुम्हें देता हूँ, वह तुम्हारे लिए कठिन या दूर नहीं है।”
— व्यवस्थाविवरण 30:10–11 (ESV)

सच्चा आज्ञापालन भय या गुलामी से नहीं आता, बल्कि प्रेम और संबंध से आता है। फिर भी केवल आज्ञाओं का पालन करना मसीह के प्रति प्रेम की पूरी अभिव्यक्ति नहीं है। वह हमें अपने लोगों की देखभाल के लिए भी बुलाते हैं।

2. उनके मेमनों को खिलाना
“उनके मेमनों को खिलाना” का अर्थ क्या है? मेमने नए विश्वासियों या अब भी बढ़ रहे लोगों को दर्शाते हैं। उन्हें खिलाना मतलब उन्हें सुसंगत धर्मशास्त्र, आध्यात्मिक प्रोत्साहन और बाइबिल की सच्चाई से पोषण देना।

महत्वपूर्ण बात: यीशु ने कहा, “मेरे मेमने”। वे हमारे नहीं हैं, वे उनके हैं। इसका मतलब है कि हम उन्हें अपनी राय या परंपराओं से नहीं, बल्कि केवल ईश्वर के शुद्ध वचन से पोषण देंगे।

“नवजात शिशुओं की तरह, शुद्ध आध्यात्मिक दूध की लालसा करो,
ताकि इसके द्वारा तुम उद्धार में बढ़ सको।”
— 1 पतरस 2:2 (ESV)

यदि आप किसी साथी विश्वासी को भ्रमित या संघर्ष करते हुए देखें, तो नजरअंदाज न करें। मसीह आपको उनके लिए ब्रेड ऑफ़ लाइफ (जीवन का अन्न) के माध्यम से पोषण देने के लिए बुलाते हैं (योहन 6:35)।

3. उनकी भेड़ों की देखभाल करना
यीशु ने कहा, “मेरी भेड़ों की देखभाल करो”, यानी उन्हें सुरक्षा और संरक्षण देना। भेड़ें उनके हैं; हम उनके स्वामी नहीं, बल्कि उनकी देखभाल करने वाले हैं।

सबसे बड़ा खतरा झूठे शिक्षक और धोखेबाज हैं। यीशु ने चेतावनी दी:

“सावधान रहो कि झूठे भविष्यद्वक्ताओं से, जो भेड़ों के
वस्त्र में आते हैं पर भीतर से भयंकर भेड़िया हैं।”
— मत्ती 7:15 (ESV)

ये केवल झूठे “भविष्यद्वक्ता” नहीं हैं, बल्कि झूठे पादरी, झूठे प्रचारक और झूठे उपासक भी हो सकते हैं।

पॉल ने भी चर्च को चेताया:

“पर अब मैं तुम्हें लिख रहा हूँ कि किसी के साथ संबंध न रखो,
जो भाई का नाम धारण करता है, यदि वह कामुकता, लोभ,
मूर्तिपूजा, निंदा, शराब या ठगी में दोषी हो; उसके साथ खाना
भी न खाओ।”
— 1 कुरिन्थियों 5:11 (ESV)

भेड़ों की सुरक्षा का अर्थ है त्रुटि को उजागर करना, धोखे से बचाव करना और भेड़ों को भेड़ियों को पहचानना सिखाना।

हर विश्वासयोग्य है एक चरवाहा
भगवान की भेड़ों की देखभाल केवल पादरी या प्रचारकों का काम नहीं है। यह हर ईसाई का कर्तव्य है।

“भाइयो, यदि कोई पाप में फंस जाए, तो तुम जो आत्मिक हो, उसे कोमलता के आत्मा से सुधारो… एक दूसरे के बोझ उठाओ, और इस

प्रकार मसीह के कानून को पूरा करो।”
— गलातियों 6:1–2 (ESV)

हमें केवल यीशु से प्रेम कहकर नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनके लोगों के लिए भी प्रेम दिखाना चाहिए।

मसीह के लिए सच्चा प्रेम तीन रूपों में प्रकट होता है:
उनकी आज्ञाओं का पालन करके – आत्मा की शक्ति से ईश्वर के वचन को जीना।

उनके मेमनों को खिलाकर – नए या कमजोर विश्वासियों को सिखाना, प्रोत्साहित करना और मार्गदर्शन देना।

उनकी भेड़ों की देखभाल करके – आध्यात्मिक खतरे, धोखे और झूठे शिक्षकों से रक्षा करना।

आइए केवल शब्दों में प्रेम न दिखाएँ, बल्कि अपने जीवन के माध्यम से दिखाएँ।

“बचपनियों, हम शब्द या बोलचाल में प्रेम न करें, बल्कि कर्म
और सच्चाई में करें।”

— 1 यूहन्ना 3:18 (ESV)

भगवान हमें सच में प्रेम करने में मदद करें—केवल उनके वचन का पालन करने में ही नहीं, बल्कि उनके लोगों की देखभाल और संरक्षण करने में भी।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp